MILLENNIUMPOST.IN

millenniumpost

NO HALF TRUTHS

PUBLISHED FROM DELHI | KOLKATA | SILIGURI

VOL. 11, ISSUE 356 | Tuesday, 30 December 2025 | Kolkata/Siliguri | Pages 12 | Rs 5.00

Psychotherapist Dr Minu Budhia, founder of Caring Minds International and ICanFlyy International School, in conversation with Prof. Soni Agrawal, professor (OB & HR), International Management Institute (IMI), Kolkata, during the panel 'Purpose-Driven Women Leaders'. Suresh Kumar, IAS, chairman and managing director of Damodar Valley Corporation, attended as the chief guest, with IAS officer Priyadarshini Bhattacharya, Sanaya Mehta Vyas and Manjir Chatterjee as panellists. At the event, Dr Budhia said: 'You cannot pour from an empty cup. The first step is self-care. And this is something I have learned both through my life experience and as a mental health professional. Also, when faced with adversity, you must first accept it and only then will you be able to turn a challenge into an opportunity. Till I accepted that my younger daughter Prachi, diagnosed with ADHD, Low IQ, and Bipolar Disorder, was a special child, I ran pillar to post across the world trying to find solutions that would make her fit in. But the day I accepted her for who she was, someone beautifully special who gave my life purpose, I saw the opportunity to help children like her and families like mine who had earlier suffered so much due to the lack of easy access to high-quality mental healthcare' MPOST

The Statesman
People's Parliament, Always in Session
India's National Newspaper since 1818 | Pages 16 | ₹ 5.00 | KOLKATA LC | NEW DELHI | SILIGURI | BHUBANESWAR | Tuesday, 30 December 2025

Panel discussion on women entrepreneurship at IMI global conference

STATESMAN NEWS SERVICE
Kolkata, 29 December

An insightful women entrepreneurship panel discussion centred on women's leadership, caregivers, and mental health was held at the International Management Institute, Kolkata. The event brought together accomplished women leaders and policymakers to share their personal journeys, professional insights, and lived experiences.

Titled "Purpose-Driven Women Leaders: Re-designing India's Development Story,", the discussion featured psychotherapist Dr. Minu Budhia (founder, Carring Minds International and ICanFlyy International School), Priyadarshini Bhattacharya from panchayats & rural development department, Sanaya Mehta Vyas (director, Selvel One Group) and Manjir Chatterjee (founder, Folk Products). The session was moderated by Prof. Soni Agrawal (professor, OB & HR, International Management Institute).

Reflecting on her journey, Dr Budhia said, "You cannot pour from an empty cup. The first step is self-care. And this is something I have learned both through my life experience and as a mental health professional. Also, when faced with adversity, you must first accept it and only then will you be able to turn a challenge into an opportunity. Till I accepted that my younger daughter Prachi, diagnosed with ADHD, Low IQ, and Bipolar Disorder, was a special child, I ran pillar to post across the world trying to find solutions that would make her fit in. But the day I accepted her for who she was, someone beautifully special who gave my life purpose, I saw the opportunity to help children like her and families like mine who had earlier suffered so much due to the lack of easy access to high-quality mental healthcare."

The keynote address was given by Suresh Kumar, Chairman and Managing Director of Damodar Valley Corporation. He spoke on net zero as a challenge and the intelligent use of digital technology as a multiplier for climate action.

Ms Priyadarshini Bhattacharya, IAS, said, "I had a very comfortable life while I was working at the ILO, but I felt hollow. I wanted to do something for my country. SHGs are empowering women, giving them agency, giving them options – all of which give dignity. To students: don't get easily impressed by anyone or anything. Ask, question, interrogate."

Psychotherapist Dr. Minu Budhia, Founder of Carring Minds International and ICanFlyy International School, interacts with Prof. Soni Agrawal, Professor of OB & HR at the International Management Institute, during a panel discussion on "Purpose-Driven Women Leaders: Re-designing India's Development Story". Shri Suresh Kumar, IAS, Chairman and Managing Director of DVC, attended the event as the chief guest. Other panellists included Priyadarshini Bhattacharya, IAS, Sanaya Mehta Vyas, and Manjir Chatterjee. SNS

卐 ॥ श्री हरि: ॥ 卐

सन्मार्ग

॥ नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः॥

कोलकाता, मंगलवार 30 दिसम्बर, 2025 | बंगाल से प्रकाशित पूर्वी भारत का सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी दैनिक | www.sanmarg.in | पौष शुक्ल पक्ष दशमी 10, विक्रम संवत् 2082, वर्ष 80, अंक 268, पूर्णांक 27878, मूल्य 5.00 रु., कुल पेज 10

मनोचिकित्सक डॉ. मीनू बुधिया (संस्थापक, कैरिंग माइंड्स इंटरनेशनल एवं आईकैनफ्लाई इंटरनेशनल स्कूल) ने "उद्देश्य-प्रेरित महिला नेतृत्व: भारत की विकास गाथा का पुनर्रचना" विषय पर आयोजित एक पैनल चर्चा के दौरान प्रो. सोनी अग्रवाल (प्रोफेसर, ओबी एवं एचआर, इंटरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट) के साथ संवाद किया। सुरेश कुमार (आईएएस, चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक, डीवीसी) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अन्य पैनलिस्टों में प्रियदर्शिनी भट्टाचार्य (आईएएस), सनाया मेहता व्यास तथा मंजिर चटर्जी शामिल थीं।

दैनिक विश्वमित्र
कोलकाता बुधवार ■ 31 दिसंबर, 2025 ■ पौष शुक्ल 12, सम्वत् 2082

द वीमेन वॉकिंग विद पर्पज

आईएमआई ग्लोबल कॉन्फ्रेंस में महिला उद्यमिता पर मंथन

दैनिक विश्वमित्र विशेष

साइकोथेरेपिस्ट डॉ. मीनू बुधिया (फाउंडर, कैरिंग माइंड्स इंटरनेशनल और आईकैनफ्लाई इंटरनेशनल स्कूल) प्रो. सोनी अग्रवाल (प्रोफेसर, ओबी एंड एचआर, इंटरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट) के साथ ''उद्देश्य–संचालित महिला नेता: भारत की विकास गाथा को फिर से डिज़ाइन करना'' विषय पर एक पैनल चर्चा के दौरान बातचीत करते हुए। श्री सुरेश कुमार (आईएएस, चेयरमैन और एमडी, डीवीसी) ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। अन्य पैनलिस्ट में सुश्री प्रियदर्शिनी भट्टाचार्य– आईएएस, सुश्री सनाया मेहता व्यास और सुश्री मंजिर चटर्जी शामिल थीं।

कोलकाता, 30 दिसंबर (निप्र)। इंटरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, कोलकाता में महिलाओं की लीडरशिप, देखभाल और मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित एक ज्ञानवर्धक महिला उद्यमिता पैनल चर्चा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में सफल महिला नेताओं और नीति निर्माताओं ने अपने व्यक्तिगत अनुभव, पेशेवर जानकारी और जीवन के अनुभवों को साझा किया।

''उद्देश्य–संचालित महिला नेता: भारत की विकास कहानी को फिर से डिज़ाइन करना'' शीर्षक वाली इस चर्चा में साइकोथेरेपिस्ट डॉ. मीनू बुधिया (संस्थापक, कैरिंग माइंड्स इंटरनेशनल और आईकैनफ्लाई इंटरनेशनल स्कूल), सुश्री प्रियदर्शिनी भट्टाचार्य (आईएएस, पंचायत और ग्रामीण विकास, पश्चिम बंगाल सरकार), सुश्री सनाया मेहता व्यास (निदेशक, सेल्वल वन ग्रुप) और सुश्री मंजिर चटर्जी (संस्थापक, फोक प्रोडक्ट्स) शामिल थीं। इस सत्र का संचालन प्रो. सोनी अग्रवाल (प्रोफेसर, ओबी, एचआर इंटरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट) ने किया।

अपनी यात्रा के बारे में बताते हुए डॉ. मीनू बुधिया ने कहा, ''आप खाली कप से कुछ नहीं डाल सकते। पहला कदम खुद की देखभाल करना है। और यह मैंने अपने जीवन के अनुभव और एक मेंटल हेल्थ प्रोफेशनल के तौर पर सीखा है। साथ ही, जब मुश्किलों का सामना हो, तो सबसे पहले उन्हें स्वीकार करें और तभी आप चुनौती को अवसर में बदल पाएंगे। जब तक मैंने यह स्वीकार नहीं किया कि मेरी छोटी बेटी प्राची, जिसे ADHD, लो IQ और बाइपोलर डिसऑर्डर था, एक स्पेशल बच्ची है, तब तक मैं दुनिया भर में ऐसे समाधान ढूंढने की कोशिश करती रही जिससे वह नॉर्मल हो जाए। लेकिन जिस दिन मैंने उसे वैसे ही स्वीकार किया जैसी वह थी, एक खूबसूरत स्पेशल इंसान जिसने मेरी ज़िंदगी को मकसद दिया, उस दिन मुझे उसके जैसे बच्चों और मेरे जैसे परिवारों की मदद करने का मौका मिला, जिन्हें पहले अच्छी क्वालिटी की मेंटल हेल्थकेयर आसानी से न मिलने के कारण बहुत परेशानी हुई थी।''

> Reflecting on her journey, Dr. Minu Budhia said, "You cannot pour from an empty cup. The first step is self-care. And this is something I have learned both through my life experience and as a mental health professional. Also, when faced with adversity, you must first accept it and only then will you be able to turn a challenge into an opportunity.

मुख्य भाषण श्री सुरेश कुमार, आईएएस, चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, दामोदर वैली कॉर्पोरेशन ने दिया। उन्होंने नेट ज़ीरो को एक चुनौती और क्लाइमेट एक्शन के लिए डिजिटल टेक्नोलॉजी के स्मार्ट इस्तेमाल को एक मल्टीप्लायर के तौर पर बताया।

श्रीमती प्रियदर्शिनी भट्टाचार्य, आईएएस ने कहा, ''जब मैं आईएलओ में काम कर रही थी, तो मेरी ज़िंदगी बहुत आरामदायक थी, लेकिन मुझे अंदर से खालीपन महसूस होता था। मैं अपने देश के लिए कुछ करना चाहती थी। एसएचजी महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं, उन्हें आज़ादी दे रहे हैं, उन्हें विकल्प दे रहे हैं ये सब उन्हें सम्मान देते हैं। श्रीमती मंजिर चटर्जी ने कहा, ''सहयोग ज़रूरी है। हम ग्रामीण इलाकों या अपनी जड़ों को पीछे नहीं छोड़ सकते। श्रीमती सनाया मेहता व्यास ने कहा, ''अगर कोई चीज़ आपको दिलचस्प लगती है, तो हाँ कहें। फिर डिटेल्स पता करें।

সংবাদ প্রতিদিন

কলকাতা সংস্করণ মঙ্গলবার | ৩০ ডিসেম্বর ২০২৫

'মহিলাদের নেতৃত্বে ভারতের উন্নয়ন গল্প নতুন করে নকশা করা' শীর্ষক অনুষ্ঠানে কেয়ারিং মাইন্ডস ইন্টারন্যাশনাল অ্যান্ড আই ক্যান ফ্লাই ইন্টারন্যাশনাল স্কুলের প্রতিষ্ঠাতা-সাইকোথেরাপিস্ট ডা. মিনু বুধিয়ার সঙ্গে আলাপচারিতায় প্রফেসর সোনি আগরওয়াল। উপস্থিত ছিলেন আইএএস অফিসার প্রিয়দর্শিনী ভট্টাচার্য, সানায়া মেহতা ব্যাস ও মঞ্জির চট্টোপাধ্যায়। ছিলেন আইএএস আধিকারিক সুরেশ কুমারও।

আজকাল

রাজ্য

কলকাতা ১৫ পৌষ ১৪৩২ বুধবার ৩১ ডিসেম্বর ২০২৫ শহর সংস্করণ ৪.০০ টাকা ১৪ পাতা

এক আলোচনাসভায় সাইকোথেরাপিস্ট ডঃ মিনু বুধিয়ার সঙ্গে অধ্যাপক সোনি আগরওয়াল। উপস্থিত ছিলেন ডিভিসির চেয়ারম্যান সুরেশ কুমার, প্রিয়দর্শিনী ভট্টাচার্য, সনয়া মেহতা ব্যাস ও মঞ্জির চ্যাটার্জি। কলকাতায়।

ই-পেপার: www.ekdin-epaper.com

EKDIN

একদিন

এগিয়ে চলার সঙ্গী

কলকাতা ৩০ ডিসেম্বর ২০২৫ ১৪ পৌষ ১৪৩২ মঙ্গলবার উনবিংশ বর্ষ ১৯৬ সংখ্যা ৮ পাতা ৩.০০ টাকা ■ Kolkata 30.12.2025, Vol.19, Issue No. 196, 8 Pages, Price 3.00

কলকাতার ইন্টারন্যাশনাল ম্যানেজমেন্ট ইনস্টিটিউটে মহিলাদের ক্ষমতায়ন কেন্দ্রিক আলোচনা সভা অনুষ্ঠিত হল। এই অনুষ্ঠানে জীবনে প্রতিষ্ঠিত ও সফল মহিলারা তাঁদের ব্যক্তিগত জীবনযাত্রা, পেশাদার জীবন ও তার অভিজ্ঞতা ভাগ করে নেওয়ার জন্য একত্রিত হন। অনুষ্ঠানের শীর্ষক ছিল 'পারপাস ড্রিভেন ওম্যান লিডার্স রিডিজাইনিং ইন্ডিয়াস ডেভলপমেন্ট স্টোরি। উপস্থিত ছিলেন সাইকোথেরাপিস্ট ড. মীনু বুধিয়া (ফাউন্ডার, ক্যারিং মাইন্ডস ইন্টারন্যাশনাল অ্যান্ড আই ক্যান ফ্লাই ইন্টারন্যাশনাল স্কুল), প্রিয়দর্শিণী ভট্টাচার্য (আইএএস, পঞ্চায়েত অ্যান্ড রুরাল ডেভলপমেন্ট, গভর্মেন্টফ ওয়েস্ট বেঙ্গল) সহ অন্যান্যরা।

पत्रिका
राजस्थान पत्रिका
कोलकाता, शनिवार, 13 दिसंबर, 2025 | पौष कृष्ण पक्ष नवमी, संवत् 2082

पर्पज-ड्रिवन वूमेन लीडर्स पर सार्थक चर्चा

कोलकाता. मनोचिकित्सक डॉ. मिनु बुधिया (संस्थापक, कैरिंग माइंड्स इंटरनेशनल और आइकैनफ्लाई इंटरनेशनल स्कूल) ने प्रो. सोनी अग्रवाल (प्रोफेसर, ओबी एंड एचआर, इंटरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट) के साथ ''पर्पज-ड्रिवन वूमेन लीडर्स: री-डिजाइनिंग इंडिया'ज डेवलपमेंट स्टोरी'' विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुरेश कुमार (आइएएस, चेयरमैन एवं एमडी, डीवीसी) उपस्थित रहे। अन्य पैनलिस्टों में प्रियदर्शिनी भट्टाचार्य-आइएएस, सनाया मेहता व्यास और मंजिर चटर्जी शामिल थीं।

छपते छपते

रु.3/- कोलकाता ■ मंगलवार ■ 30 दिसम्बर 2025 ■ पौष शुक्ल पक्ष 10 ■ संवत् 2082 ■ कुल पृष्ठ : 8 ■ वर्ष-54, अंक - 315

मकसद के साथ चलने वाली महिलाएं

ग्लोबल कॉन्फ्रेंस में महिला उद्यमिता पर चर्चा

■ छपते छपते समाचार सेवा

कोलकाता, 29 दिसम्बर। इंटरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, कोलकाता में महिलाओं की लीडरशिप, देखभाल और मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित एक जानकारी भरी महिला उद्यमिता पैनल चर्चा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में सफल महिला नेताओं और पॉलिसी बनाने वालों ने अपने व्यक्तिगत सफर, प्रोफेशनल जानकारी और अनुभवों को साझा किया।

'मकसद से प्रेरित महिला नेता: भारत की विकास कहानी को फिर से डिज़ाइन करना' शीर्षक वाली इस चर्चा में साइकोथेरेपिस्ट डॉ. मीनू बुधिया (संस्थापक, कैरिंग माइंड्स इंटरनेशनल और आईकैनफ्लाई इंटरनेशनल स्कूल), सुश्री प्रियदर्शिनी भट्टाचार्य (आईएएस, पंचायत और ग्रामीण विकास, पश्चिम बंगाल सरकार), सुश्री सनाया मेहता व्यास (निदेशक, सेल्वल वन ग्रुप) और सुश्री मंजिर चटर्जी (संस्थापक, फोक प्रोडक्ट्स) शामिल थीं। इस सेशन को प्रो. सोनी अग्रवाल (प्रोफेसर, ओबी एंड एचआर, इंटरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट) ने मॉडरेट किया।

अपनी यात्रा के बारे में बताते हुए डॉ. मीनू बुधिया ने कहा, 'आप खाली कप से कुछ नहीं डाल सकते। पहला कदम खुद की देखभाल करना है। और यह मैंने अपने जीवन के अनुभव और एक मानसिक स्वास्थ्य प्रोफेशनल के तौर पर सीखा है। साथ ही, जब मुश्किलों का सामना हो, तो आपको पहले उन्हें स्वीकार करना होगा और तभी आप किसी चुनौती को अवसर में बदल पाएंगे। जब तक मैंने यह स्वीकार नहीं किया कि मेरी छोटी बेटी प्राची, जिसे, कम आईक्यू और बाइपोलर डिसऑर्डर का पता चला था, एक खास बच्ची है, तब तक मैं दुनिया भर में ऐसे समाधान खोजने की कोशिश करती रही जिससे वह फिट हो सके। लेकिन जिस दिन मैंने उसे वैसे ही स्वीकार किया जैसी वह थी, एक खूबसूरत खास इंसान जिसने मेरी ज़िंदगी को मकसद दिया, मैंने उसके जैसी बच्चों और मेरे जैसे परिवारों की मदद करने का अवसर देखा, जिन्हें पहले उच्च गुणवत्ता वाली मानसिक स्वास्थ्य देखभाल तक आसान पहुंच की कमी के कारण बहुत कुछ झेलना पड़ा था।'

साइकोथेरेपिस्ट डॉ. मीनू बुधिया (फाउंडर, कैरिंग माइंड्स इंटरनेशनल और आईकैनफ्लाई इंटरनेशनल स्कूल) प्रो. सोनी अग्रवाल (प्रोफेसर, ओबी एंड एचआर, इंटरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट) के साथ 'उद्देश्य-संचालित महिला नेता: भारत की विकास कहानी को फिर से डिज़ाइन करना' विषय पर एक पैनल चर्चा के दौरान बातचीत करते हुए। अन्य पैनलिस्ट में सुश्री प्रियदर्शिनी भट्टाचार्य-आईएएस, सुश्री सनाया मेहता व्यास और सुश्री मंजिर चटर्जी शामिल थीं।

मुख्य भाषण श्री सुरेश कुमार, आईएएस, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, दामोदर वैली कॉर्पोरेशन ने दिया एवं श्रीमती श्रीमती मंजिर चटर्जी नभी अपना वक्तव्य रखा।

আরো খবর

১৪ পৌষ ১৪৩২ মঙ্গলবার ● 30 DECEMBER 2025 TUESDAY

আলোচনায় নারী নেতৃত্বে দেশের উন্নয়ন

আরো খবর প্রতিবেদন: কলকাতার ইন্টারন্যাশনাল ম্যানেজমেন্ট ইনস্টিটিউটে নারী নেতৃত্ব, যত্নশীলতা এবং মানসিক স্বাস্থ্য বিষয়ে আলোচনা সভা অনুষ্ঠিত হয়। এই অনুষ্ঠানে সফল নারী নেত্রী এবং নীতিনির্ধারকরা একত্রিত হয়ে তাঁদের ব্যক্তিগত জীবনযাত্রা, পেশাগত অন্তর্দৃষ্টি এবং বাস্তব অভিজ্ঞতার কথা তুলে ধরেন। মহিলাদের নেতৃত্বে ভারতের উন্নয়নের বিভিন্ন বিষয় উঠে আসে আলোচনায়। 'উদ্দেশ্য-চালিত নারী নেতৃত্ব-ভারতের উন্নয়নের সংজ্ঞা পুনর্গঠন' শীর্ষক আলোচনায় অংশগ্রহণ করেন মনোরোগ বিশেষজ্ঞ ড.মিনু বুধিয়া (প্রতিষ্ঠাতা, ক্যারিং মাইন্ডস ইন্টারন্যাশনাল ও আইক্যানফ্লাই ইন্টারন্যাশনাল স্কুল), অধ্যাপক সোনি আগরওয়াল (অধ্যাপক, ওবি ও এইচআর, ইন্টারন্যাশনাল ম্যানেজমেন্ট ইনস্টিটিউট)।

ওই অনুষ্ঠানে দামোদর ভ্যালি কর্পোরেশনের চেয়ারম্যান ও সদস্য সচিব সেপুরি সুরেশ কুমার প্রধান অতিথি হিসেবে উপস্থিত ছিলেন। অন্যান্যদের মধ্যে ছিলেন পঞ্চায়েত ও গ্রাম উন্নয়ন দফতরের যুগ্ম সচিব প্রিয়দর্শিনী ভট্টাচার্য, সানয়া মেহতা ব্যাস, মঞ্জির চ্যাটার্জি।

পাঠকের কাছে দায়বদ্ধ

যুগশঙ্খ

★★★
বর্ষ: ১১ সংখ্যা: ২৯২
মঙ্গলবার
৩০ ডিসেম্বর ২০২৫
১৪ পৌষ ১৪৩২
কলকাতা ৬ টাকা

কলকাতা ● শিলচর ● গুয়াহাটি

আইএমআই গ্লোবাল কনফারেন্সে নারী উদ্যোক্তা বিষয়ক আলোচনা

নিজস্ব প্রতিনিধি: কলকাতার ইন্টারন্যাশনাল ম্যানেজমেন্ট ইনস্টিটিউটে নারী নেতৃত্ব, যত্নশীলতা এবং মানসিক স্বাস্থ্যকে কেন্দ্র করে একটি জ্ঞানগর্ভ নারী উদ্যোক্তা বিষয়ক প্যানেল আলোচনা অনুষ্ঠিত হল। এই অনুষ্ঠানে সফল নারী নেত্রী এবং নীতিনির্ধারিকরা তাঁদের ব্যক্তিগত জীবনযাত্রা, পেশাগত অন্তর্দৃষ্টি এবং বাস্তব অভিজ্ঞতা ভাগ করে নেন।

'উদ্দেশ্য-চালিত নারী নেত্রী: ভারতের উন্নয়নের গল্পকে নতুনভাবে সাজানো' শীর্ষক এই আলোচনায় অংশ নেন মনোচিকিৎসক ড. মিনু বুধিয়া (প্রতিষ্ঠাতা, কেয়ারিং মাইন্ডস ইন্টারন্যাশনাল এবং আইক্যানফ্লাই ইন্টারন্যাশনাল স্কুল), শ্রীমতী প্রিয়দর্শিনী ভট্টাচার্য (আইএএস, পঞ্চায়েত ও গ্রামোন্নয়ন বিভাগ, পশ্চিমবঙ্গ সরকার), শ্রীমতী সানায়া মেহতা ব্যাস (পরিচালক, সেলভেল ওয়ান গ্রুপ) এবং শ্রীমতী মঞ্জির চ্যাটার্জি (প্রতিষ্ঠাতা, ফোক প্রোডাক্টস)। অধিবেশনটি সঞ্চালনা করেন অধ্যাপক সোনি আগরওয়াল (অধ্যাপক, ওবি ও এইচআর, ইন্টারন্যাশনাল ম্যানেজমেন্ট ইনস্টিটিউট)। ড. মিনু বুধিয়া বলেন, 'আমার ছোট মেয়ে প্রাচী একজন বিশেষ শিশু। যেদিন আমি সে যেমন, ঠিক তেমনভাবেই তাকে মেনে নিলাম, সেদিন আমি তার মতো শিশু এবং আমার মতো পরিবারদের সাহায্য করার সুযোগ পেলাম।' এছাড়া বক্তব্য পেশ করেন ডিভিসি-র চেয়ারম্যান ও ব্যবস্থাপনা পরিচালক সুরেশ কুমার, আইএএস, শ্রীমতী প্রিয়দর্শিনী ভট্টাচার্য, আইএএস। শ্রীমতী মঞ্জির চ্যাটার্জি বলেন, 'সহযোগিতাই মূল চাবিকাঠি।' এরপর বক্তব্য রাখেন শ্রীমতী সানায়া মেহতা ব্যাস। তিনি বলেন, 'শারীরিক সুস্থতা আমার কাছে অগ্রাধিকার পায়।'

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण www.yuvashaktinews.com

आईएमआई ग्लोबल कॉन्फ्रेंस में महिला एंटरप्रेन्योरशिप पर पैनल चर्चा

● एक मकसद के साथ आगे बढ़ रही हैं महिलाएं ● डॉ. मीनू बुधिया और सनाया मेहता व्यास सहित कई हस्तियों ने लिया हिस्सा

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: कोलकाता के इंटरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में महिलाओं की लीडरशिप, केयरगिविंग और मेंटल हेल्थ पर एक ज्ञानवर्द्धक महिला एंटरप्रेन्योरशिप पैनल चर्चा आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम में जानी-मानी महिला लीडर्स और पॉलिसीमेकर्स ने अपनी अब तक कि जीवन यात्रा, प्रोफेशनल अनुभव शेयर किए. एक मकसद के साथ चलने वाली महिला लीडर्स: भारत की विकास यात्रा को फिर से डिजाइन करना शीर्षक चर्चा में साइकोथेरेपिस्ट डॉ. मीनू बुधिया (फाउंडर, केयरिंग माइंड्स इंटरनेशनल और आईकैनफ्लाई इंटरनेशनल स्कूल), सुश्री प्रियदर्शिनी भट्टाचार्य (आईएएस, पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार), सुश्री सनाया मेहता व्यास (डायरेक्टर, सेल्वेल वन ग्रुप) और सुश्री मंजिर चटर्जी (फाउंडर, फोक प्रोडक्ट्स) शामिल थीं. सत्र को प्रोफेसर सोनी अग्रवाल (प्रोफेसर, ओबी व एस आर, इंटरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट) ने संचालित किया. अपनी यात्रा के बारे में बताते हुए डॉ. मीनू बुधिया ने कहा, आप खाली कप से पानी नहीं उड़ेल सकते. पहला कदम सेल्फ-केयर है. और यह कुछ ऐसा है जो मैंने अपने जीवन के अनुभव और एक मेंटल हेल्थ प्रोफेशनल के तौर पर सीखा है. साथ ही, जब मुश्किल का सामना करना पड़े, तो आपको पहले उसे स्वीकार करना होगा और तभी आप एक चुनौती को अवसर में बदल पाएंगे. जब तक मैंने यह स्वीकार नहीं किया कि मेरी छोटी बेटी प्राची, जिसे एडीएचडी, लो आईक्यू और बाइपोलर डिसऑर्डर है, एक स्पेशल चाइल्ड है, मैं दुनिया भर में ऐसे सॉल्यूशन खोजने की कोशिश कर रही थी, जो उसे स्वस्थ कर सके. लेकिन जिस दिन मैंने उसे वैसे ही स्वीकार किया जैसी वह थी, एक बहुत ही खास इंसान, जिसने मेरी ज़िंदगी को मकसद दिया, मुझे उसके जैसे बच्चों और मेरे जैसे परिवारों की मदद करने का मौका मिला, जिन्होंने पहले हाई-क्वालिटी मेंटल हेल्थकेयर तक आसान पहुंच की कमी के कारण बहुत कुछ झेला था. मुख्य भाषण दामोदर वैली कॉर्पोरेशन के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, आईएएस सुरेश कुमार ने दिया. उन्होंने नेट ज़ीरो को एक चुनौती के तौर पर लिया और क्लाइमेट एक्शन के लिए मल्टीप्लायर के तौर पर डिजिटल टेक्नोलॉजी के समझदारी से इस्तेमाल पर बात की. आईएएस सुश्री प्रियदर्शिनी भट्टाचार्य ने कहा, जब मैं आईएलओ में काम कर रही थी, तो मेरी ज़िंदगी बहुत आरामदायक थी, लेकिन मैं भीतर से खाली महसूस करती थी. मैं अपने देश के लिए कुछ करना चाहती थी. एसएचजी महिलाओं को मज़बूत बना रहे हैं, उन्हें ऑप्शन दे रहे हैं- ये सब उन्हें इज़्ज़त देते हैं. स्टूडेंट्स के लिए: किसी से या किसी चीज़ से आसानी से इम्प्रेस न हों. पूछें, सवाल करें. सुश्री मंजिर चटर्जी ने कहा, कोलेबोरेशन ज़रूरी है. हम गांव या अपनी जड़ों को पीछे नहीं छोड़ सकते. फंक्शनल डिज़ाइन और मार्केट लिंकेज के साथ स्किल्स को बढ़ाना होगा. सुश्री सनाया मेहता व्यास ने कहा, अगर आपको किसी चीज़ में दिलचस्पी है, तो हां कहें. फिर डिटेल्स पता करें. फिजिकल फिटनेस मेरी प्राथमिकता है - अगर मुझे लोगों से मिलना है तो मैं उनसे खाने के बजाय वॉक पर मिलना पसंद करूंगी.

कार्यक्रम में शामिल साइकोथेरेपिस्ट डॉ. मीनू बुधिया, प्रोफेसर सोनी अग्रवाल.

CYMK
www.echoofindia.com
THE ECHO OF INDIA
PUBLISHED FROM : NEW DELHI, KOLKATA, SILIGURI, GANGTOK, GUWAHATI and SRI VIJAYA PURAM (PORT BLAIR)

Women walking with purpose: Panel Discussion on Women Entrepreneurship at IMI Global Conference

EOI CORRESPONDENT

KOLKATA, DEC 29/--/An insightful Women Entrepreneurship Panel Discussion centred on women's leadership, caregiving, and mental health was held at the International Management Institute, Kolkata. The event brought together accomplished women leaders and policymakers to share their personal journeys, professional insights, and lived experiences.

Titled "Purpose-Driven Women Leaders: Re-designing India's Development Story,", the discussion featured psychotherapist Dr. Minu Budhia (Founder, Carring Minds International and ICanFlyy International School), Priyadarshini Bhattacharya (IAS, Panchayats & Rural Development, Government of West Bengal) Sanaya Mehta Vyas (Director, Selvel One Group) and Manjir Chatterjee (Founder, Folk Products). The session was moderated by Prof. Soni Agrawal (Professor, OB & HR, International Management Institute).

Dr Budhia said, "You cannot pour from an empty cup. The first step is self-care. And this is something I have learned both through my life experience and as a mental health professional. Also, when faced with adversity, you must first accept it and only then will you be able to turn a challenge into an opportunity. Till I accepted that my younger daughter Prachi, diagnosed with ADHD, Low IQ, and Bipolar Disorder, was a special child, I ran pillar to post across the world trying to find solutions that would make her fit in. But the day I accepted her for who she was, someone beautifully special who gave my life purpose, I saw the opportunity to help children like her and families like mine who had earlier suffered so much due to the lack of easy access to high-quality mental healthcare."

Ms Bhattacharya said, "I had a very comfortable life while I was working at the ILO, but I felt hollow. I wanted to do something for my country. SHGs are empowering women, giving them agency, giving them options - all of which give dignity. To students: don't get easily impressed by anyone or anything. Ask, question, interrogate."

Ms Chatterjee said, "Collaboration is key. We cannot leave the rural or our roots behind. Skills must be enhanced with functional design and market linkages."

Ms Mehta Vyas said, "If something interests you, say yes. Then figure out the details. Physical fitness is my priority - if I have to meet people I would rather meet them for a walk than over a meal."

इंफो इंडिया

नयी दिल्ली, कोलकाता, सिलीगुड़ी एवं श्री विजयपुरम(पोर्ट ब्लेयर) से एक साथ प्रकाशित

कोलकाता, मंगलवार, 30 दिसम्बर, 2025

उद्देश्यपूर्ण महिलाएं: आईएमआई ग्लोबल कॉन्फ्रेंस में महिला उद्यमिता पर पैनल चर्चा

कोलकाता, 29 दिसम्बर । इंटरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, कोलकाता में महिलाओं के नेतृत्व, देखभाल और मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित एक ज्ञानवर्धक महिला उद्यमिता पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सफल महिला नेताओं और नीति निर्माताओं ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों, पेशेवर अंतर्दृष्टि और जीवन के अनुभवों को साझा किया।

''उद्देश्य-प्रेरित महिला नेता: भारत के विकास की कहानी को नया रूप देना'' शीर्षक वाली इस चर्चा में मनोचिकित्सक डॉ. मीनू बुधिया (कैरिंग माइंड्स इंटरनेशनल और आईकैनफ्लाई इंटरनेशनल स्कूल की संस्थापक), प्रियदर्शनी भट्टाचार्य (आईएएस, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, पश्चिम बंगाल सरकार), सनाया मेहता व्यास (सेल्वेल वन ग्रुप की निदेशक) और मंजिर चटर्जी (फोल्क प्रोडक्ट्स की संस्थापक) ने भाग लिया। सत्र का संचालन प्रो. सोनी अग्रवाल (प्रोफेसर, ओबी एवं एचआर, इंटरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट) ने किया। डॉ. बुधिया ने कहा, आप खाली प्याले से कुछ नहीं डाल सकते। पहला कदम है स्वयं की देखभाल। और यह मैंने अपने जीवन के अनुभव और एक मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर के रूप में सीखा है। साथ ही, जब आप किसी मुश्किल का सामना करते हैं, तो पहले उसे स्वीकार करना जरूरी है, तभी आप चुनौती को अवसर में बदल पाएंगे। जब तक मैंने यह स्वीकार नहीं किया कि मेरी छोटी बेटी प्राची, जिसे एडीएचडी, कम बुद्धि और बाइपोलर डिसऑर्डर है, एक विशेष बच्ची है, तब तक मैं दुनिया भर में भटकती रही ताकि उसे समाज में घुलने-मिलने में मदद मिल सके। लेकिन जिस दिन मैंने उसे उसके असली रूप में स्वीकार किया, एक ऐसी खूबसूरत और खास बच्ची जिसने मेरे जीवन को उद्देश्य दिया, उसी दिन मुझे उसके जैसी बच्चियों और मेरे जैसे परिवारों की मदद करने का अवसर मिला, जिन्होंने पहले उच्च गुणवत्ता वाली मानसिक स्वास्थ्य देखभाल तक आसान पहुंच न होने के कारण बहुत कष्ट झेला था। सुश्री भट्टाचार्य ने कहा, आईएलओ में काम करते हुए मेरा जीवन बहुत सुखमय था, लेकिन मुझे अंदर से खालीपन महसूस होता था। मैं अपने देश के लिए कुछ करना चाहती थी। स्वयं सहायता समूह महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं, उन्हें स्वायत्तता दे रहे हैं, उन्हें विकल्प दे रहे हैं ह्न ये सभी चीजें उन्हें गरिमा प्रदान करती हैं। छात्रों से मेरा आग्रह है: किसी से भी या किसी भी चीज़ से आसानी से प्रभावित न हों। पूछें, सवाल करें, गहराई से पड़ताल करें। सुश्री चटर्जी ने कहा, सहयोग ही कुंजी है। हम ग्रामीण परिवेश या अपनी जड़ों को पीछे नहीं छोड़ सकते। कौशल को कार्यात्मक डिजाइन और बाजार संबंधों के साथ बढ़ाना होगा। सुश्री मेहता व्यास ने कहा, अगर कोई चीज़ आपको रुचिकर लगे, तो हाँ कहिए। फिर उसके बारे में विस्तार से जानें। शारीरिक फिटनेस मेरी प्राथमिकता है ह्न अगर मुझे लोगों से मिलना हो तो मैं भोजन पर मिलने के बजाय टहलते हुए मिलना पसंद करूंगी।

روزنامہ
اخبارِ مشرق کلکتہ
Published from Kolkata • Asansol • Siliguri • Bhopal • Delhi • Ranchi • Lucknow • Srinagar
AKHBAR-E-MASHRIQ

Kolkata.Tuesday,30th,December,2025.Rajab-ul-Morajjab,9|1447A.H. شمارہ نمبر 357

خواتین کے با اختیار ہونے سے ملک کو ترقی یافتہ بنانے کی کہانی سے متعلق پینل بحث کے دوران کیئرنگ ہانڈس انٹرنیشنل کے فاؤنڈر اور چیئرپرسن ڈاکٹر مینو بدھیا کی انٹرنیشنل مینجمنٹ انسٹی ٹیوٹ کی پروفیسر سوفی اگروال سے تبادلہ خیال کا منظر۔ اس موقع پر ڈی پی سی کے چیئرمین سریش کمار (آئی اے ایس) پر یہ درشنی بھٹا چاریہ (آئی اے ایس) ستایہ مہتا اور شمبھو چٹرجی بھی موجود تھیں

द रिपब्लिक इण्डियन
सूचित रहनुहोस्

द विमेन वाकिङ विद पर्पस – आईएमआई ग्लोबल कन्फरेन्समा महिला उद्यमशीलता विषयक प्यानल छलफल

कोलकाता: अन्तर्राष्ट्रिय व्यवस्थापन संस्थान (आईएमआई), कोलकातामा महिला नेतृत्व, हेरचाह (केयरगिभिङ) र मानसिक स्वास्थ्य केन्द्रित महिला उद्यमशीलता विषयक एक गहन प्यानल छलफल आयोजित भयो। यस कार्यक्रममा सफल महिला नेतृहरू र नीतिनिर्माताहरूले आफ्नो व्यक्तिगत यात्रा, व्यावसायिक अनुभव र जीवनयात्राबाट आर्जित सिकाइहरू साझा गरे।

"पर्पोज- ड्राइभन वुमेन लिडर्स: रिडिजाइनिङ्ग इण्डियाज् डेभलपमेण्ट स्टोरी" शीर्षकको यस छलफलमा मनोचिकित्सक डा. मिनु बुढिया (संस्थापक, केरिङ्ग माइण्ड्स इन्टरनेशनल र आइ केन फ्लाई इन्टरनेशनल स्कूल), सुश्री प्रियदर्शिनी भट्टाचार्य (आईएएस, पंचायत तथा ग्रामीण विकास, पश्चिम बंगाल सरकार), सुश्री सनाया मेहता व्यास (डाइरेक्टर, सेलभेल वान् ग्रुप) र सुश्री मञ्जिर चटर्जी (संस्थापक, फल्क् प्रोडक्ट्स) सहभागी हुनु भयो। सत्रको संयोजन आईएमआईका संगठनात्मक व्यवहार तथा एचआरकी प्राध्यापक प्रा. सोनी अग्रवालले गर्नुभयो।

आफ्नो यात्रामा प्रतिबिम्बित हुँदै डा. मिनु बुढियाले भनिन्,

"तपाईं खाली गिलासबाट अरूलाई दिन सक्नुहुन्न। पहिलो कदम आत्म-हेरचाह हो। यो कुरा मैले जीवनको अनुभवबाट पनि, मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञको रूपमा पनि सिकेकी हुँ। जब चुनौती आउँछ, पहिलो कुरा त्यसलाई स्वीकार गर्नु हो, तबमात्र त्यो चुनौतीलाई अवसरमा रूपान्तरण गर्न सकिन्छ। मेरी कान्छी छोरी प्राचीलाई एडीएचडी कम आईक्यू र बाइपोलार डिसअर्डर भएको थाहा पाएपछि सुरुमा म संसारभर समाधान खोज्दै दौडिरहें। तर जिस दिन मैले उनलाई उनी जस्तै छन् भनि स्वीकारें, त्यस दिनमै मैले त्यस्तै बच्चाहरू र त्यस्ता परिवारहरूलाई मद्दत गर्ने अवसर देखें, जसले गुणस्तरीय मानसिक स्वास्थ्य सेवाको सजिलो पहुँच नहुँदा धेरै दुःख भोग्दै आएका थिए।"

मुख्य वक्तव्य दमोदर भ्याली कर्पोरेशनका अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निर्देशक श्री सुरेश कुमार, आईएएसले दिनुभयो। उहाँले नेट-जिरो चुनौती र जलवायु कार्यमा डिजिटल प्रविधिको बुद्धिमान प्रयोग कसरी गुणक (मल्टिप्लायर) बन्न सक्छ भन्नेबारे प्रकाश पार्नुभयो।

सुश्री प्रियदर्शिनी भट्टाचार्य, आईएएसले भनिन्, "म आइएलओ मा काम गरिरहेकी बेला मेरो जीवन धेरै सहज थियो, तर भित्रैभित्रै मलाई खालीपन महसुस हुन्थ्यो। मैले आफ्नै देशका लागि केही गर्नुपर्छ जस्तो लाग्थ्यो। स्वयं-सहायता समूहहरूले महिलाहरूलाई सशक्त बनाइरहेका छन्, उनीहरूलाई विकल्प र स्वायत्तता दिइरहेका छन्, जसले गरिमा दिन्छ। विद्यार्थीहरूलाई भन्न चाहन्छु: सजिलै कसैले प्रभावित नबनाउनु। सोध्नुहोस्, प्रश्न गर्नुहोस्, जिज्ञासा राख्नुहोस्।"

सुश्री मञ्जिर चटर्जीले भनिन्,

"सहकार्य नै प्रमुख हो। हामी ग्रामीण क्षेत्र वा हाम्रो जरालाई बिर्सेर अघि बढ्न सक्दैनौं। सीपलाई कार्यगत डिजाइन र बजारसँग जोडेर सुदृढ बनाउनु पर्छ।"

सुश्री सनाया मेहता व्यासले भनिन्, "केहीले तपाईंलाई आकर्षित गर्छ भने पहिले 'हो' भन्नुहोस्, बाँकी विवरण पछि मिल्छ। शारीरिक तन्दुरुस्ती मेरो प्राथमिकता हो, मानिसहरूसँग भेट्नुपर्‍यो भने म, भोजनभन्दा, हिँड्दै भेट्न रुचाउँछु।"